बी० ए० दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

- कोई विद्यार्थी जो कि बारहवीं की परीक्षा के किसी भी संकाय (अर्थात, कला, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक) में कुल पूर्णांक का 45 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण हुआ है वह बी०ए० दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन ले सकता है।
- तीन वर्ष की अवधि में छः सेमेस्टर होंगे (बी०ए० पार्ट I से बी० ए० पार्ट III तक), और दो पत्र प्रथम सेमेस्टर में तथा दो पत्र द्वितीय सेमेस्टर में होंगे। सेमेस्टर III और सेमेस्टर IV में से हरेक में तीन पत्र होंगे। अंतिम दो सेमेस्टरों, अर्थात् सेमेस्टर V और VI में से हरेक में चार पत्र होंगे। सेमेस्टर V में चार पत्रों में से दो डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव पत्र– DSE 1 और DSE 2 होंगे। इसी तरह, सेमेस्टर VI में चार पत्रों में से दो डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव पत्र– DSE 3 और DSE 4 होंगे। पत्रों की कुल संख्या 18 होगी।
- कोई महाविद्यालय दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु वैकल्पिक पद्धति के रूप में प्रवेश परीक्षा का आयोजन कर सकता है।
- प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम हेतु कुल क्रेडिट – 140 क्रेडिट और प्रतिष्ठा हेतु कुल प्राप्तांक – 2450 अंक

Distribution of 140 Credits semester wise

SEMESTER	CC	AECC	GE	SEC	DSE	Total
SEMESTER I	12	02	06	-	-	20
SEMESTER II	12	02	06	-	-	20
SEMESTER III	18	-	06	02	-	26
SEMESTER IV	18	-	06	02	-	26
SEMESTER V	12	-	-	-	12	24
SEMESTER VI	12	-	-	-	12	24
TOTAL	**84**	**04**	**24**	**04**	**24**	**140**

VINOBA BHAVE UNIVERSITY, HAZARIBAG

Bachelor of Arts (Core and Generic) in Philosophy

Semester	Paper No.	Paper name	Paper code	Internal Marks	External Marks	Total Marks	Total Credits	Theory	Tutorial
I	I	Ancient Indian Philosophy	PHI-C-101	20	80	100	6	5	
I	II	Ancient Greek Philosophy	PHI-C-102	20	80	100	6	5	01
I	GE/ GEN	Ancient India Philosophy (offering other honours subjects & General student)	PHI-H-GE/GEN-104	20	80	100	6	5	01
I	AECC	Hindi/English/Urdu/Sans./Bangla/Persian	PHI-H-AECC-103	10	40	50	2		01
		Total		**70**	**280**	**350**	**20**		01
II	III	Epistemology & Metaphysics (Indian)	PHI-H-C-201	20	80	100	6	5	01
II	IV	History of Western Philosophy	PHI-H-C-202	20	80	100	6	5	01
II	GE/GEN	History of Western Philosophy	PHI-H-GE/GEN-204	20	80	100	6	5	01
II	AECC	Environmental science	PHI-H-AECC-203	10	40	50	2		
		Total		**70**	**280**	**350**	**20**		
III	V	Epistemology & Metaphysics (Western)	PHI-H-C-301	20	80	100	6	5	01
III	VI	India Logic	PHI-H-C-302	20	80	100	6	5	01
III	VII	Deductive Logic	PHI-H-C-303	20	80	100	6	5	01
III	GE/GEN	Epistemology & Metaphysics (Indian)	PHI-H-GE/GEN-304	20	80	100	6	5	01

III	SEC	Choose any one of following 1. Constitution of India and Human Rights 2. Environment and Public health 3. Computer Application and Information Technology	PHI-H-SEC-305	10	40	50	2		
		Total		**90**	**360**	**450**	**26**		
IV	VIII	Symbolic Logic	PHI-H-C-401	20	80	100	6	5	01
IV	IX	Classical Indian Text Bhagvadgita	PHI-H-C-402	20	80	100	6	5	01
IV	X	Western Ethics	PHIL-H-C-403	20	80	100	6	5	01
IV	GE/GEN	Metaphysics & Epistemology (Western)	PHI-H-GE/GEN-404	20	80	100	6	5	01
IV	SEC	Choose any one following: 1. Entrepreneurship 2. Life Skills and Personal Development 3. Human Resource Development 4. Legal aid and Awareness 5. Indian History, Culture & Diversity 6. Science and life & others	PHI-H-SEC-405	10	40	50	2		
		Total		**90**	**360**	**450**	**26**		
V	XI	Social & Political Philosophy	PHI-H-C-501	20	80	100	6	5	01

V	XII	Indian Ethics	PHI-H-C-502	20	80	100	6	5	01
V	XIII	Contemporary Indian Philosophy/ Buddhist Philosophy (Choose any one of two DSE1 paper)	PHI-H-DSE 1-503	20	80	100	6	5	
V	XIV	Philosophy of Religion/ Concept of Philosophy of Religion (Choose any one of two DSE2 paper)	PHI-H-DSE 2-504	20	80	100	6	5	01
V	GEN (for only general students	Contemporary Indian Philosophy Buddha Philosophy (Choose any two DSE1 paper)	PHI-GEN-DSE 1 -505	20	80	100	6	5	01
		Total		**80**	**320**	**400**	**24**	**10**	
VI	XV	Contemporary Western Philosophy	PHI-H-C-601	20	80	100	6	5	01
VI	XVI	Contemporary debates in Philosophy	PHI-H-C-602	20	80	100	6	5	01
VI	XVII	Problem of Philosophy (India)/ Vedanta Philosophy (Choose any one of two DSE3 paper)	PHI-H-DSE 3-603	20	80 80	100	6	5	01
VI	XVIII	Comparative Religion/ Analytical Philosophy of Religion (Choose any one of two DSE4 paper)	PHI-H-DSE 4-604	20	80	100	6	5	01
VI	GEN (for only general students	Problem of Philosophy (Indian)/ Vedanta Philosophy (Choose any of two DSE2 paper)	PHI-GEN-DSE 2 -605	20		100	6	5	01
		Other activities like NCC, NSS and other cultural activities.				50			
		Total				**450**			

बी० ए० जेनरल हेतु

- यदि कोई विद्यार्थी जो कि बारहवीं की परीक्षा के किसी भी विषय या संकाय से कुल पूर्णांक में से 45 प्रतिशत अंक से कम प्राप्त करके उत्तीर्ण किया हो वह बी०ए० जेनरल के दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम में नामांकन ले सकता है।
- कोई विद्यार्थी अन्य विषयों के साथ बी०ए० जेनरल दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकता है। इसे निम्नलिखित तरीके से दर्शाया जा सकता है।

SEMESTER	**General core paper choose as a Philosophy**	**General core paper choose as other subject**	**Compulsory paper**	**AECC/SEC**
SEMESTER I	100 Marks	100 Marks	Eng. 100 Marks	50 Marks
SEMESTER II	100 Marks	100 Marks	Eng. 100 Marks	50 Marks
SEMESTER III	100 Marks	100 Marks	MIL 100 Marks	50 Marks
SEMESTER IV	100 Marks	100 Marks	MIL 100 Marks	50 Marks
SEMESTER V	DSE 1 100 Marks	DSE 1 100 Marks	Choose any other Subject 100 Marks	50 Marks
SEMESTER VI	DSE 2 100 Marks	DSE 2 100 Marks	Choose any other Subject 100 Marks	50 Marks

For B. A. General

Distribution of marks -

Course	Titles of Paper	Full Marks	External Exam.	Internal Assessment	Total Credits	Theory	Tutorial
Semester I - 1st GE	Indian Philosophy	100	80	20	06	05	01
2nd GE		100	80	20	06	05	01
3rd GE Compulsory		100	80	20	06	05	01
English/MIL Communiation		50	40	10	02		
	Total	**350**			**20**		
Semester II - 1st GE	Western Philosophy	100	80	20	06	05	01
2nd GE		100	80	20	06	05	01
3rd GE Compulsory		100	80	20	06	05	01
Environmental Science		50	40	10	02		
	Total	**350**			**20**		
Semester III - 1st GE	Indian Metaphysics & Epistemology	100	80	20	06	05	01
2nd GE		100	80	20	06	05	01
3rd Compulsory		100	80	20	06	05	01
Constitution of India & Humar Rights		50			02		
	Total	**350**			**20**		
Semester IV - 1st GE	Western Metaphysics & Epistemology	100	80	20 20	06	05	01
2nd GE		100	80	20	06	05	01
3rd Compulsory		100	80		06	05	01
Indian History, Culture & Diversity		50			02		
	Total	**350**			**20**		
Semester V - 1st GE		100	80	20	06	05	01
2nd GE Compulsory		100	80	20	06	05	01
DSE1	Contemporary Indian Philosophy/Buddhist Philosophy (Choose any one of two DSE1 paper)	100	80	20	06	05	01
	Computer Application and Information Technology	50			02		
	Total	**350**			**18**		

Semester VI	Western Ethics	100	80	20	06	05	01
2nd GE		100	80	20	06	05	01
DSE1	Problem of Philosophy/ Vedanta Philosophy (Choose any one of two DSE2 paper)	100	80	20	06	05	01
	Computer Application and Information Technology	50	40	10	02		
	*Other activities like NSS, NCC and cutural activities	50			02		
	Total	**400**			**22**		

- Total Credits for General course-120 credits and total marks for General-2150 marks.
- Internal Assessments: The internal assessment for 20% marks of a paper shall be made in the following categories of activities:

  a) Mid- semester examination (one written internal examination) - 15 Marks

  b) Attendance - 05 Marks

  Total - 20 Marks

कोर पत्र – I   पत्र कूट – **PHI-H-C-101T**

प्राचीन भारतीय दर्शन

सेमेस्टर–I, कोर पत्र–I, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : दर्शन का स्वरूप, भारतीय दर्शन के मुख्य विशेषताएँ; चार्वाक दर्शन : इनके ज्ञानमीमांसीय एवं नीतिशास्त्रीय विचार। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : जैन दर्शन : जीव की अवधारणा, बंधन एवं मोक्ष; बौद्ध दर्शन : चार आर्य सत्य, अनात्मवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : न्याय दर्शन : प्रमाणों का सिद्धांत, ईश्वर का प्रत्यय एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, वैशेषिक दर्शन : पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव, परमाणुवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : सांख्य दर्शन : सत्कार्यवाद, प्रकृति एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, पुरुष एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, विकासवाद; योग दर्शन : चित्त एवं चित्तवृत्ति, अष्टांग–योग, ईश्वर। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : पूर्व मीमांसा दर्शन : प्रामाण्यवाद, कुमारिल भट्ट एवं प्रभाकर मिश्र के विचारों में विभिन्नता एवं वाद–विवाद; अद्वैत वेदांत : निर्गुण ब्रह्म, विवर्त्तवाद, माया; विशिष्टाद्वैत : सगुण ब्रह्म, माया का खंडन। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, एच० पी० : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2006

II. सिन्हा, बी० एन० : भारतीय दर्शन, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, 1996

III. निगम, शोभा : भारतीय दर्शन, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2011

IV. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2013

V. चटर्जी एवं दत्त : भारतीय दर्शन, पुस्तक भंडार पब्लिशिंग हाउस, पटना, 2014

VI. चटर्जी एवं दत्त : एन इंट्रोडक्शन टु इंडियन फिलॉसफी, पुस्तक भंडार पब्लिशिंग हाउस, पटना, 2014

कोर पत्र – II **पत्र कूट – PHI-H-C-102T**

प्राचीन ग्रीक दर्शन

सेमेस्टर–I, कोर पत्र–II, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	माइलेशियन संप्रदाय : थेल्स एवं एनेक्जीमेंडर के तत्त्वमीमांसीय विचार एवं सत्।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	हेरेक्लाइट्स एवं इसके क्षणभंगुरवाद; इलियाटिक संप्रदाय : पार्मेनाइड्स एवं जेनो के ज्ञानमीमांसीय एवं तत्त्वमीमांसीय विचार।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	डेमोक्रेट्स एवं उसका अणुवाद, प्रोटागोरस के ज्ञानमीमांसीय विचार।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	सुकरात के ज्ञानमीमांसीय एवं नीतिशास्त्रीय विचार।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	प्लेटो के ज्ञान एवं प्रत्यय विचार, अरस्तु के तत्त्वमीमांसीय विचार एवं कारणता सिद्धांत।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. तिवारी, एन० पी० : ग्रीक एवं मध्यकालीन दर्शन
II. सहाय, जे० सी० : ग्रीक एवं मध्यकालीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास
III. सहाय, जे० सी० : पाश्चात्य दर्शन के प्रवृत्तियाँ
IV. पांडे, संगमलाल : ग्रीक एवं मध्य दर्शन
V. स्टेश, डब्लू० टी० : ए क्रिटिकल हिस्ट्री ऑफ ग्रीक फिलॉसफी, राजीव बेरी फॉर मैकमिलन इंडिया लिमिटेड, 2008

कोर पत्र – III **पत्र कूट – PHI-H-C-201T**

भारतीय तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

सेमेस्टर–II, कोर पत्र–III, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : ज्ञान का स्वरूप; वैध एवं अवैध ज्ञान; प्रमा : परिभाषा, प्रमाण के विभिन्न प्रकार। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : प्रामाण्य एवं प्रमेय। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : ख्यातिवाद (भ्रम के सिद्धांत)। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : कारणता : परिणामवाद, आरंभवाद, विवर्त्तवाद, प्रतीत्यसमुत्पाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : सामान्य; न्याय एवं बौद्ध दर्शन के बीच वाद–विवाद, अभाव, भारतीय दर्शन के सम्प्रदायों के आत्म–विचार। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा
II. तिवारी, के० एन० : भारतीय तर्कबोध न्याय
III. सिंह, बी० एन० : प्रमाण परिचय
IV. बिजल्वान, एस० : भारतीय न्यायशास्त्र
V. झा, अनिरूद्ध : भारतीय तर्कबोध न्याय
VI. चटर्जी एवं दत्त : एन इंट्रोडक्शन टु इंडियन फिलॉसफी
VII. शर्मा, सी० डी० : ए क्रिटिकल सर्वे ऑफ इण्डियन फिलॉसफी

कोर पत्र – IV **पत्र कूट – PHI-H-C-202T**

पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

सेमेस्टर–II, कोर पत्र–IV, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	प्लेटो : प्रत्यय विचार; अरस्तु : आकार एवं स्वरूप; थॉमस एक्वीनस : ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	डेकार्ट्स : संदेह का सिद्धांत, 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ' मन एवं शरीर, ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण; स्पिनोजा : द्रव्य, गुण, पर्याय, सर्वेश्वरवाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	लाइबनिज : चिद्णुवाद, पूर्व–स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत; लॉक : जन्मजात प्रत्यय का खंडन, प्राथमिक एवं गौण गुण।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	बर्कले : प्राथमिक एवं गौण गुण के अंतर का खण्डन, 'सत्ता अनुभवमूलक है'; ह्यूम : संस्कार एवं प्रत्यय; प्रत्ययों के संबंध और वस्तु–तथ्य, संशयवाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	काण्ट : समीक्षावादी दर्शन की अवधारणा, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय, दिक् एवं काल, समझ की कोटियाँ, व्यवहार एवं परमार्थ।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I.	थिली, एफ०	:	हिस्ट्री ऑफ फिलॉसफी
II.	निगम, शोभा	:	पाश्चात्य दर्शन के सम्प्रदाय
III.	शर्मा, सी० डी०	:	पाश्चात्य दर्शन
IV.	सिंह, बी० एन०	:	पाश्चातय दर्शन
V.	मसीह, याकूब	:	पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
VI.	निगम, शोभा	:	पाश्चात्य दर्शन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण

कोर पत्र – V **पत्र कूट – PHI-H-C-301T**

पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

सेमेस्टर–III, कोर पत्र–V, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : ज्ञान की परिभाषा एवं प्रकार, तर्कवाक्यमूलक एवं अतर्कवाक्यमूलक ज्ञान, ज्ञान के अनिवार्य एवं पर्याप्त शर्तें। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : ज्ञान के सिद्धांत, बुद्धिवाद, अनुभववाद एवं समीक्षावाद, उत्तरानुभविक एवं प्रागनुभविक ज्ञान, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक ज्ञान, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक ज्ञान की समस्या। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : सत्यता का सिद्धांत : संवादिता, संसक्तता एवं व्यावहारिकता सिद्धांत; तत्त्वमीमांसा का स्वरूप। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : पाश्चात्य दर्शन में द्रव्य विचार, कांट का देश एवं काल। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : कारणता सिद्धांत : अरस्तु, मिल एवं ह्यूम के विचार; मन और शरीर संबंध : बुद्धिवादियों के अनुसार। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. तिवारी, के० एन० : तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा, मोतीलाल बनारसीदास, 2012

II. वर्मा, ए० के० : तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा

III. प्रसाद, राजेन्द्र : दर्शनशास्त्र की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, 2011

कोर पत्र – VI | पत्र कूट – PHI-H-C-302T

भारतीय तर्कशास्त्र

सेमेस्टर–III, कोर पत्र–VI, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	भारतीय दर्शन के अनुसार 'तर्कशास्त्र', अनुमान का अर्थ एवं स्वरूप।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	अनुमान के प्रकार एवं घटक (बौद्ध दर्शन एवं न्याय दर्शन के अनुसार)।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	पक्षता, परामर्श (बौद्ध दर्शन एवं न्याय दर्शन के अनुसार)।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	व्याप्तिग्रहोपाय (बौद्ध दर्शन एवं न्याय दर्शन के अनुसार)।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	हेत्वाभास (बौद्ध दर्शन एवं न्याय दर्शन के अनुसार)।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा, मोतीलाल बनारसीदास, 2004

II. तिवारी, के० एन० : भारतीय तर्कशास्त्र, मोतीलाल बनारसीदास, 2014

III. झा, अनिरूद्ध : भारतीय तर्कबोधन्याय

IV. सिंह, बी० एन० : प्रमाण परिचय, आशा प्रकाशन, वाराणसी, 1994

V. बिजल्वान, एस० : भारतीय न्यायशास्त्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

कोर पत्र – VII **पत्र कूट – PHI-H-C-303T**

निगमन तर्कशास्त्र

सेमेस्टर–III, कोर पत्र–VII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : पद एवं शब्द, वाक्य एवं तर्कवाक्य, वाक्य से तर्कवाक्य में बदलने के नियम, तार्किक रूप। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : परिभाषा एवं इसके नियम; विभाग; तर्कवाक्यों का वर्गीकरण : आधुनिक तर्कशास्त्र के अनुसार; वर्ग–विरोध; पदों की व्याप्ति। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : प्रत्यक्ष अनुमान के प्रकार : आवर्त्तन, प्रतिवर्तन, प्रत्यावर्तन विपरिवर्तन; निरपेक्ष न्याय : आकार एवं योग, वैधता के नियम। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : हेत्वाश्रित एवं वैकल्पिक न्याय; द्विविधा के अर्थ एवं प्रकार, द्विविधा के तोड़ने या बाहर निकलने के उपाय। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : विचार के नियम। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. वर्मा, ए० के० : सरल निगमन, तर्कशास्त्र
II. झा, गंगानाथ : निगमन तर्कशास्त्र
III. तिवारी, के० एन० : तर्कशास्त्र परिचय
IV. कोपी, के० एन० : एन इण्ट्रोडकशन टु लॉजिक (छठा संस्करण)

कोर पत्र – VIII **पत्र कूट – PHI-H-C-401T**

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

सेमेस्टर–IV, कोर पत्र–VIII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -। : मूलभूत प्रतीक, प्रतीकों का प्रयोग एवं प्रासंगिकता; तर्कवाक्यों का सत्यता–मूल्य, सत्यता–फलन, निषेध, संयोजन, वियोजन, आपादान, तार्किक समता। – 01 क्रेडिट

इकाई -। : युक्ति एवं युक्ति–आकार, प्रकथन एवं प्रकथन–आकार, सत्यता–सारणी बनाने की विधि, युक्ति की वैधता एवं अवैधता। – 01 क्रेडिट

इकाई -। : पुनरूक्ति, व्याघातक, आपातिक प्रकथन, प्रकथनों में तार्किक–समता। – 01 क्रेडिट

इकाई -। : अनुमान के नियम एवं प्रतिस्थापन के नियम, निगमन की विधि। – 01 क्रेडिट

इकाई -। : वेन आरेख, न्याय की वैधता जाँचने की विधि। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. कोपी, आई० एम० : एन इण्ट्रोडकशन टु लॉजिक (छठा संस्करण)
II. पांडे, संगम लाल : तर्कशास्त्र परिचय (आई०एम० कॉपी का हिन्दी अनुवाद)
III. वर्मा, ए० के० : प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र
IV. नेगेल एण्ड कोहेन : लॉजिक एण्ड साइंटिफिक मेथड्

कोर पत्र – IX **पत्र कूट – PHI-H-C-402T**

शास्त्रीय मूलग्रंथ भगवद्गीता

सेमेस्टर–IV, कोर पत्र–IX, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : भगवद्गीता की भूमिका एवं महत्त्व।
भगवद्गीता का प्रथम अध्याय : नैतिक द्विविधा। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : भगवद्गीता का द्वितीय अध्याय : कर्म, निष्काम–कर्म। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : भगवद्गीता का तृतीय अध्याय : स्थितप्रज्ञ, स्वधर्म। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : भगवद्गीता का चतुर्थ अध्याय : ज्ञान, कर्म, भक्ति योग। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : भगवद्गीता का पंचम अध्याय : प्रवृत्ति एवं निवृत्ति मार्ग। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. गीता प्रेस, गोरखपुर पब्लिकेशन : श्रीमद्भगवद्गीता

II. राधाकृष्णन, एस० : भगवद्गीता

III. सिंहा, पुष्पा : भगवद्गीता एवं धर्म–दर्शन

कोर पत्र – X **पत्र कूट – PHI-H-C-403T**

पाश्चात्य नीतिशास्त्र

सेमेस्टर–IV, कोर पत्र–X, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	नीतिशास्त्र का परिचय, अर्थ, पूर्वमान्यताएँ, नीतिशास्त्र की परिभाषा।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	इच्छा–स्वातंत्र्य की अवधारणा, इच्छा, प्रयोजन, अभिप्राय, शुभ, उचित, कर्त्तव्य, नैतिक एवं नीतिशून्य कर्म।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	प्रयोजनमूलक सिद्धांत : स्वार्थवाद, सुखवाद, उपयोगितावाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	परिणामनिरपेक्ष सिद्धांत : कांट का कर्त्तव्य के लिए कर्त्तव्य सिद्धांत, निरपेक्ष आदेश।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	दण्ड के सिद्धांत : प्रतिकारवादी, निवर्त्तनवादी, सुधारवादी।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिंह, बी० एन० : नीतिशास्त्र
II. वर्मा, वेद प्रकाश : नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत
III. मिश्रा, नित्यानंद : नीतिशास्त्र : सिद्धांत एवं प्रयोग, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2014
IV. वर्मा, ए० के० : आचारशास्त्र की रूपरेखा
V. लिली, विलियम : इण्ट्रोडक्शन ऑफ एथिक्स
VI. सिन्हा, जे० एन० : ए मेनुअल ऑफ एथिक्स

कोर पत्र – XI | **पत्र कूट – PHI-H-C-501T**

सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन

सेमेस्टर–V, कोर पत्र–XI, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : सामाजिक एवं राजनैतिक दर्शन का अर्थ एवं अवधारणा, व्यक्ति और समाज तथा उनका अतर्संबंध। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : संस्कृति, परंपरा, सामाजिक परिवर्तन तथा आधुनिकता की अवधारणाएँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : राजनैतिक वैचारिकी : लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, सर्वोदय। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : राजनैतिक आदर्श : स्वतंत्रता, समानता और न्याय, अधिकार और कर्त्तव्य, बाध्यतामूलक कर्त्तव्य। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : राजनैतिक सक्रियता : संविधानवाद, क्रांतिवाद, सत्याग्रह। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. पाठक, राममूर्ति : सामाजिक एवं राजनीति दर्शन

II. सिंह, शिव भानु : सामाजिक एवं राजनीति दर्शन

III. पाठक, के० के० : सामाजिक एवं राजनीति दर्शन

IV. वर्मा, ए० के० : प्रारंभिक सामाजिक एवं राजनीति दर्शन

कोर पत्र – XII **पत्र कूट – PHI-H-C-502T**

भारतीय आचारशास्त्र

सेमेस्टर–V, कोर पत्र–XII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	आचारशास्त्र का परिचय, भारतीय परंपरा में आचारशास्त्र का अर्थ एवं स्वरूप	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	कर्म–नियम, कर्म के प्रकार, भारतीय आचारशास्त्र में कर्म का महत्त्व।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	धर्म का अर्थ, धर्म की परिभाषा एवं वर्गीकरण।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	बौद्धमत का अष्टांग–मार्ग, जैनमत का अणुव्रत एवं महाव्रत।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	पुरुषार्थ का अर्थ, पुरुषार्थ–चतुष्टय, पुरुषार्थों के मध्य अंतर्संबंध, पुरुषार्थों का महत्त्व।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I.	बिहार ग्रंथ अकादमी	:	भारतीय नीतिशास्त्र
II.	शर्मा, कार्यानन्द	:	भारतीय दर्शन के मूल संप्रत्यय
III.	मिश्रा, नित्यानन्द	:	नीतिशास्त्र (सिद्धांत और प्रयोग)
IV.	झा, अनुरूद्ध एण्ड मिश्रा, रामानन्द	:	आचारशास्त्र के मूल सिद्धांत

समकालीन भारतीय दर्शन

सेमेस्टर–V, डीएसई–1 पत्र–XIII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-1 और DSE-2. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा। यही प्रारूप सेमेस्टर–VI में भी लागू होगा।

इकाई -I :	स्वामी विवेकानंद : व्यावहारिक वेदांत; श्री अरविन्द : सत्–चित्–आनन्द के रूप में सत्ता, आरोहण एवं अवरोहण।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	रवीन्द्र टैगोर : मानव–धर्म; विनोबा भावे : भूदान आंदोलन।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	एस० राधाकृष्णन् : आध्यात्मिक जीवन–दृष्टि; मो० इकबाल : बुद्धि एवं अंतःप्रज्ञा।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	मो० क० गाँधी : सत्य, ईश्वर, अहिंसा।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	बी० आर० अम्बेडकर : नव–बौद्धवाद।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. लाल, बी० के० : सामाजिक भारतीय दर्शन
II. तिवारी, नरेश प्रसाद : भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन
III. सिन्हा, रमेश चन्द्रा : समकालीन भारतीय चिंतक

डीएसई–1 पत्र – XIII

पत्र कूट – **PHI-H-DSE 1-503T**

बौद्ध दर्शन

सेमेस्टर–V, डीएसई–1 पत्र–XIII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-1 और DSE-2. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा। यही प्रारूप सेमेस्टर–VI में भी लागू होगा।

इकाई -I :	चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, कर्म, क्षणिकवाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	बौद्ध मत के हीनयान और महायान संप्रदाय।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	माध्यमिक : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	योगाचार : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	सौतांत्रिक : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ। वैभाषिक : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. भिक्षुक, धर्मारक्षित : धम्मपादक हिन्दी अनुवाद
II. देव, आचार्य नरेन्द्र : बुद्ध धर्म दर्शन
III. उपाध्याय, भारत सिंह : बुद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन
IV. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन
V. राधाकृष्णन, एस० : भारतीय दर्शन

डीएसई–2 पत्र – **XIV** पत्र कूट – **PHI-H-DSE 2-504T**

धर्म–दर्शन

सेमेस्टर–V, डीएसई–2 पत्र–XIV, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-1 और DSE-2. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा। यही प्रारूप सेमेस्टर–VI में भी लागू होगा।

इकाई - I :	धर्म–दर्शन का स्वरूप एवं इसके सरोकार।	– 01 क्रेडिट
इकाई - II :	ईश्वर के अस्तित्व हेतु युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट
इकाई - III :	बुद्धि, आस्था, प्रकाशना, ज्ञान, भक्ति।	– 01 क्रेडिट
इकाई - IV :	धार्मिक बहुलतावाद, अंतर–धार्मिक समझ, धर्मनिरपेक्षतावाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई - V :	धार्मिक अनुभव, धार्मिक भाषा।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिंह, शिवभानु : धर्म–दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन

II. सक्सेना, लक्ष्मी : धर्म–दर्शन

III. मासीह, याकूब : सामान्य धर्म–दर्शन एवं दार्शनिक विश्लेषण

IV. सिंह, एच० पी० : धर्म दर्शन की रूपरेखा

V. मसीह, याकूब : एन इंट्रोडक्सन टू फिलॉसफी ऑफ रिलिजन

डीएसई–2 पत्र – XIV **पत्र कूट – PHI-H-DSE 2-504T**

धर्म–दर्शन के संप्रत्यय

सेमेस्टर–V, डीएसई–2 पत्र–XIV, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-1 और DSE-2. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा। यही प्रारूप सेमेस्टर–VI में भी लागू होगा।

इकाई -I :	धर्म : स्वरूप एवं परिभाषा; धर्म और विज्ञान।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	धर्म और ईश्वर; ईश्वररहित धर्म।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	धर्म–परिवर्तन और धर्मान्तरण।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	धार्मिक सहिष्णुता; धर्मनिरपेक्षतावाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	अंतर–धार्मिक संवाद; सार्वभौम धर्म।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिंह, शिव भानु : धर्म–दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन

II. सक्सेना, लक्ष्मी : धर्म–दर्शन

III. मासीह, याकूब : सामान्य धर्म दर्शन एवं दार्शनिक विश्लेषण

कोर पत्र – XII **पत्र कूट – PHI-H-C-601T**

समकालीन पाश्चात्य दर्शन

सेमेस्टर–VI, कोर पत्र–XV, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : एफ० एच० ब्रैडले : आभास एवं सत्।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II : सी० एस० पर्स : अर्थ का संक्रियात्मक सिद्धांत।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III : विलियम जेम्स : व्यावहारिकतावाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV : हेगेल की द्वंद्वात्मक पद्धति; मार्क्स का द्वंद्वात्मक भौतिकवाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V : लुडविग विट्गेन्स्टाइन : चित्रण–सिद्धांत, भाषा–खेल।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I.	लाल, बी० के०	:	समकालीन पाश्चात्य दर्शन
II.	मिश्रा, नित्यानन्द	:	समकालीन पाश्चात्य दर्शन
III.	सहाय, जगदीश चंद्र	:	पाश्चात्य दर्शन की प्रवृत्तियाँ
IV.	दत्ता, डी० एम०	:	चीफ करेन्टस ऑफ कन्टेम्पोररी फिलॉसफी

कोर पत्र – XVI　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पत्र कूट – PHI-H-C-602T

समकालीन दर्शन के वाद–विवाद

सेमेस्टर–VI, कोर पत्र–XVI, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	दर्शन में पितृसत्तात्मक बनाम नारीवादी मोड़।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	'सेक्स' और 'जेन्डर' से संबंधित मुद्दे।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	छिछला बनाम गहन परिस्थिति की आंदोलन।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	मानव–प्रकृति संबंध से जुड़ा दार्शनिक वाद–विवाद : अरस्तु, देकार्त और महात्मा गाँधी के संदर्भ में।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	युद्ध और शांति : मार्क्सवादी–गाँधीवादी वाद–विवाद।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I.	बटलर, जुदिष्ठ	:	फेमिनिज्म जेन्डर ट्रोबल
II.	फ्राइडमन, बेटी	:	द फेमिनिन मिस्टिक
III.	सिमोन द बुवा	:	द सेकेण्ड सेक्स
IV.	वाल्टरर्स	:	इंट्रोडक्सन टू फेमिनिज्म : ए भेरी सॉट इंट्रोडक्सन
V.	आरने नैश	:	द इकोलॉजी ऑफ विसडम
VI.	पोजमन एण्ड पोजमन	:	इंवायरमेन्टल एथिक्स
VII.	जिमरमन एण्ड कालिकॉट	:	इंवायरमेन्टल फिलॉसफी

डीएसई–3 पत्र – XVII **पत्र कूट – PHI-H-DSE 3-603T**

दर्शन की समस्याएँ (भारतीय)

सेमेस्टर–VI, डीएसई–3 पत्र–XVII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–VI में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-3 और DSE-4. षष्ठ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-3 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-4 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I : जड़ एवं चेतन की समस्याएँ (सांख्य, अद्वैतवेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत) – 01 क्रेडिट
इकाई -II : भारतीय दर्शन में प्रमाणों की संख्या। – 01 क्रेडिट
इकाई -III : प्रामाण्यवाद की समस्या। – 01 क्रेडिट
इकाई -IV : ज्ञान की समस्या। – 01 क्रेडिट
इकाई -V : त्रिविध सत्ता (बौद्ध दर्शन, अद्वैत वेदांत) – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा
II. चटर्जी एण्ड दत्त : भारतीय दर्शन परिचय
III. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन

डीएसई–3 पत्र – XVII **पत्र कूट – PHI-H-DSE 3-603T**

वेदांत दर्शन

सेमेस्टर–VI, डीएसई–3 पत्र–XVII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–VI में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-3 और DSE-4. षष्ठ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-3 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-4 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I : शंकराचार्य का अद्वैत वेदांत : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : रामानुजाचार्य का विशिष्टाद्वैत वेदांत : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : मध्वाचार्य का द्वैतवाद : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : निम्बार्काचार्य का द्वैताद्वैतवाद : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : भास्कराचार्य का दर्शन : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा

II. चटर्जी एण्ड दत्त : भारतीय दर्शन परिचय

III. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन

डीएसई–4 पत्र – **XVIII** पत्र कूट – **PHI-H-DSE 4-604T**

तुलनात्मक धर्म–दर्शन

सेमेस्टर–VI, डीएसई–4 पत्र–XVIII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–VI में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-3 और DSE-4. षष्ठ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-3 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-4 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -। :	तुलनात्मक धर्म का स्वरूप और क्षेत्र।	– 01 क्रेडिट
इकाई -। :	विभिन्न धर्मों में धार्मिक अनुभव, विभिन्न धर्मों में ईश्वर–मानव संबध।	– 01 क्रेडिट
इकाई -। :	अमरता, अवतार, पैगम्बरी (ईशदूतत्व)।	– 01 क्रेडिट
इकाई -। :	अशुभ की समस्या, धर्म और धर्मनिरपेक्ष समाज।	– 01 क्रेडिट
इकाई -। :	सार्वभौम धर्म की संभावना और प्रासंगिकता, अंतर–धार्मिक संवाद और समझ।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. मसीह, याकूब : तुलनात्मक धर्म दर्शन, मोतीलाल बनारसीलाल, दिल्ली
II. रमेन्द्र : धर्म–दर्शन सामान्य एवं तुलनात्मक, मोतीलाल बनारसीलाल, दिल्ली
III. प्रसाद, हरेन्द्र : धर्मदर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीलाल, दिल्ली

डीएसई–4 पत्र – XVIII पत्र कूट – PHI-H-DSE 4-604T

विश्लेषणात्मक धर्म–दर्शन

सेमेस्टर–VI, डीएसई–4 पत्र–XVIII, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–VI में दो कोर पत्रों के अतिरिक्त डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे : DSE-3 और DSE-4. षष्ठ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-3 के दो पत्रों में से **एक** और DSE-4 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I : विश्लेषणात्मक धर्म–दर्शन का स्वरूप और विकास।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II : धार्मिक भाषा का अर्थ एवं स्वरूप।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III : धर्म–दर्शन के संज्ञात्मक सिद्धांत।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV : विश्लेषणात्मक धर्म–दर्शन के असंज्ञानात्मक सिद्धांत।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V : धर्म–दर्शन का अनुभववादी मत।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I.	मसीह, याकूब	:	सामान्य धर्म–दर्शन
II.	वर्मा, वेदप्रकाश	:	धर्म–दर्शन
III.	मसीह, याकूब	:	तुलनात्मक धर्म दर्शन, मोतीलाल बनारसीलाल, दिल्ली
IV.	रमेन्द्र	:	धर्म–दर्शन सामान्य एवं तुलनात्मक, मोतीलाल बनारसीलाल, दिल्ली
V.	प्रसाद, हरेन्द्र	:	धर्मदर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीलाल, दिल्ली

जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र प्रथम **पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-104T**

प्राचीन भारतीय दर्शन

सेमेस्टर–I, जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र प्रथम, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : दर्शन का स्वरूप, भारतीय दर्शन के मुख्य विशेषताएँ; चार्वाक दर्शन : इनके ज्ञानमीमांसीय एवं नीतिशास्त्रीय विचार। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : जैन दर्शन : जीव की अवधारणा, बंधन एवं मोक्ष; बौद्ध दर्शन : चार आर्य सत्य, अनात्मवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : न्याय दर्शन : प्रमाणों का सिद्धांत, ईश्वर का प्रत्यय एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, वैशेषिक दर्शन : पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव, परमाणुवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : सांख्य दर्शन : सत्कार्यवाद, प्रकृति एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, पुरुष एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, विकासवाद; योग दर्शन : चित्त एवं चित्तवृत्ति, अष्टांग–योग, ईश्वर। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : पूर्व मीमांसा दर्शन : प्रामाण्यवाद, कुमारिल भट्ट एवं प्रभाकर मिश्र के विचारों में विभिन्नता एवं वाद–विवाद; अद्वैत वेदांत : निर्गुण ब्रह्म, विवर्त्तवाद, माया; विशिष्टाद्वैत : सगुण ब्रह्म, माया का खंडन। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, एच० पी० : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2006

II. सिन्हा, बी० एन० : भारतीय दर्शन, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, 1996

III. निगम, शोभा : भारतीय दर्शन, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2011

IV. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2013

V. चटर्जी एवं दत्त : भारतीय दर्शन, पुस्तक भंडार पब्लिशिंग हाउस, पटना, 2014

VI. चटर्जी एवं दत्त : एन इंट्रोडक्शन टु इंडियन फिलॉसफी, पुस्तक भंडार पब्लिशिंग हाउस, पटना, 2014

जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र द्वितीय **पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-204T**

पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

सेमेस्टर–II, जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र द्वितीय, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट

अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : प्लेटो : प्रत्यय विचार; अरस्तु : आकार एवं स्वरूप; थॉमस एक्वीनस : ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : डेकार्ट्स : संदेह का सिद्धांत, 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ' मन एवं शरीर, ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण; स्पिनांजा : द्रव्य, गुण, पर्याय, सर्वेश्वरवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : लाइबनिज : चिद्णुवाद, पूर्व–स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत; लॉक : जन्मजात प्रत्यय का खंडन, प्राथमिक एवं गौण गुण। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : बर्कले : प्राथमिक एवं गौण गुण के अंतर का खण्डन, 'सत्ता अनुभवमूलक है'; ह्यूम : संस्कार एवं प्रत्यय; प्रत्ययों के संबंध और वस्तु–तथ्य, संशयवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : काण्ट : समीक्षावादी दर्शन की अवधारणा, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय, दिक् एवं काल, समझ की कोटियाँ, व्यवहार एवं परमार्थ। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. थिली, एफ० : हिस्ट्री ऑफ फिलॉसफी

II. निगम, शोभा : पाश्चात्य दर्शन के सम्प्रदाय

III. शर्मा, सी० डी० : पाश्चात्य दर्शन

IV. सिंह, बी० एन० : पाश्चातय दर्शन

V. मसीह, याकूब : पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास

VI. निगम, शोभा : पाश्चात्य दर्शन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण

जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र तृतीय पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-304T

भारतीय तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

सेमेस्टर–III, जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र तृतीय, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट

अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I :	ज्ञान का स्वरूप; वैध एवं अवैध ज्ञान; प्रमा : परिभाषा, प्रमाण के विभिन्न प्रकार।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	प्रामाण्य एवं प्रमेय।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	ख्यातिवाद (भ्रम के सिद्धांत)।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	कारणता : परिणामवाद, आरंभवाद, विवर्त्तवाद, प्रतीत्यसमुत्पाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	सामान्य; न्याय एवं बौद्ध दर्शन के बीच वाद–विवाद, अभाव, भारतीय दर्शन के सम्प्रदायों के आत्म–विचार।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा

II. तिवारी, के० एन० : भारतीय तर्कबोध न्याय

III. सिंह, बी० एन० : प्रमाण परिचय

IV. बिजल्वान, एस० : भारतीय न्यायशास्त्र

V. झा, अनिरूद्ध : भारतीय तर्कबोध न्याय

VI. चटर्जी एवं दत्त : एन इंट्रोडक्शन टु इंडियन फिलॉसफी

VII. शर्मा, सी० डी० : ए क्रिटिकल सर्वे ऑफ इण्डियन फिलॉसफी

जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र चतुर्थ **पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-404T**

पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

सेमेस्टर–IV, जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र चतुर्थ, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : ज्ञान की परिभाषा एवं प्रकार, तर्कवाक्यमूलक एवं अतर्कवाक्यमूलक ज्ञान, ज्ञान के अनिवार्य एवं पर्याप्त शर्तें। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : ज्ञान के सिद्धांत, बुद्धिवाद, अनुभववाद एवं समीक्षावाद, उत्तरानुभविक एवं प्रागनुभविक ज्ञान, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक ज्ञान, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक ज्ञान की समस्या। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : सत्यता का सिद्धांत : संवादिता, संसक्तता एवं व्यावहारिकता सिद्धांत; तत्त्वमीमांसा का स्वरूप। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : पाश्चात्य दर्शन में द्रव्य विचार, कांट का देश एवं काल। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : कारणता सिद्धांत : अरस्तु, मिल एवं ह्यूम के विचार; मन और शरीर संबंध : बुद्धिवादियों के अनुसार। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. तिवारी, के० एन० : तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा, मोतीलाल बनारसीदास, 2012

II. वर्मा, ए० के० : तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा

III. प्रसाद, राजेन्द्र : दर्शनशास्त्र की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, 2011

समकालीन भारतीय दर्शन

सेमेस्टर–V, जेनरल डीएसई पत्र प्रथम, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V और VI में डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे। पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और सेमेस्टर– VI के DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I :	स्वामी विवेकानंद : व्यावहारिक वेदांत; श्री अरविन्द : सत्–चित्–आनन्द के रूप में सत्ता, आरोहण एवं अवरोहण।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	रवीन्द्र टैगोर : मानव–धर्म; विनोबा भावे : भूदान आंदोलन।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	एस० राधाकृष्णन् : आध्यात्मिक जीवन–दृष्टि; मो० इकबाल : बुद्धि एवं अंतःप्रज्ञा।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	मो० क० गाँधी : सत्य, ईश्वर, अहिंसा।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	बी० आर० अम्बेडकर : नव–बौद्धवाद।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. लाल, बी० के० : सामाजिक भारतीय दर्शन
II. तिवारी, नरेश प्रसाद : भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन
III. सिन्हा, रमेश चन्द्रा : समकालीन भारतीय चिंतक

बौद्ध दर्शन

सेमेस्टर–V, जेनरल डीएसई पत्र–प्रथम, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल) = कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V और VI में डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे। पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और सेमेस्टर– VI के DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I :	चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, कर्म, क्षणिकवाद।	– 01 क्रेडिट
इकाई -II :	बौद्ध मत के हीनयान और महायान संप्रदाय।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III :	माध्यमिक : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV :	योगाचार : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V :	सौतांत्रिक : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ। वैभाषिक : अर्थ, मुख्य विशेषताएँ एवं प्रमुख युक्तियाँ।	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. भिक्षुक, धर्मारक्षित : धम्मपद हिन्दी अनुवाद
II. देव, आचार्य नरेन्द्र : बुद्ध धर्म दर्शन
III. उपाध्याय, भारत सिंह : बुद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन
IV. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन
V. राधाकृष्णन, एस० : भारतीय दर्शन

जेनरल डीएसई द्वितीय पत्र **पत्र कूट – PHI-C-GEN-DSE 2-603T**

दर्शन की समस्याएँ (भारतीय)

सेमेस्टर–VI, जेनरल डीएसई पत्र द्वितीय, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V और VI में डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे। पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और सेमेस्टर– VI के DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I : जड़ एवं चेतन की समस्याएँ (सांख्य, अद्वैतवेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत)	– 01 क्रेडिट
इकाई -II : भारतीय दर्शन में प्रमाणों की संख्या।	– 01 क्रेडिट
इकाई -III : प्रामाण्यवाद की समस्या।	– 01 क्रेडिट
इकाई -IV : ज्ञान की समस्या।	– 01 क्रेडिट
इकाई -V : त्रिविधसत्ता (बौद्ध दर्शन, अद्वैत वेदांत)	– 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा
II. चटर्जी एण्ड दत्त : भारतीय दर्शन परिचय
III. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन

जेनरल डीएसई द्वितीय पत्र **पत्र कूट – PHI-C-GEN-DSE 2-603T**

वेदांत दर्शन

सेमेस्टर–VI, जेनरल डीएसई पत्र द्वितीय, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

नोट :– सेमेस्टर–V और VI में डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह के दो पत्र होंगे। पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को DSE-1 के दो पत्रों में से **एक** और सेमेस्टर– VI के DSE-2 के दो पत्रों में से **एक** पत्र का चुनाव करना होगा।

इकाई -I : शंकराचार्य का अद्वैत वेदांत : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : रामानुजाचार्य का विशिष्टाद्वैत वेदांत : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : माध्यवाचार्य का द्वैतवाद : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : निम्बार्काचार्य का द्वैताद्वैतवाद : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : भास्कराचार्य का दर्शन : मुख्य विशेषताएँ एवं पक्ष–विपक्ष में प्रमुख युक्तियाँ। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा

II. चटर्जी एण्ड दत्त : भारतीय दर्शन परिचय

III. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन एवं अनुशीलन